Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding pending works of Mahananda Basin Project in Araria Parliamentary Constituency of Bihar.

श्री प्रदीप कुमार सिंह (अररिया): अध्यक्ष महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे लोक महत्व के विषय के बारे में बोलने का मौका दिया है । मेरा संसदीय क्षेत्र अररिया है । वहां पर नेपाल और बंगाल की सीमा है । हमारे यहां बहुत बाढ़ आती है । नेपाल में भारी बारिश की वजह से बाढ़ ऐसी तबाही मचाती है, जिससे किसानों की फसल बर्बाद हो जाती है और उसके साथ-साथ जान-माल की भी क्षति होती है । इस बार भी बाढ़ के कारण 15 लोगों की मृत्यु हुई है । हर साल बाढ़ आती है । हम लोग सरकार के माध्यम से सड़क और पुल बनाते हैं, लेकिन बाढ़ आती है और उसे बहा कर ले जाती है ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के जल शक्ति मंत्री जी से विनती करूंगा कि यह किसानों का देश है, कृषि प्रधान देश है । वहां वर्ष 2013 में महानंदा बेसिन परियोजना की शुरुआत की गई थी । हमारे यहां बकरा, परमान, नूना, कनकई, सुरसर, भुलवा ऐसी अनेक नदियां हैं । सरकार ने महानंदा बेसिन के नाम से एक परियोजना चलाई थी । चार फेज में सभी नदियों के तटबंध का काम पूरा होना था, लेकिन अभी तक एक फेज का काम पूरा हुआ है । अगर चारों फेज का काम पूरा हो जाए, नदियों का तटबंध बना दिया जाए, तो उससे किसानों की भलाई होगी और हम लोग जो विकास का काम करते हैं, सड़क और पुल बनाते हैं, वे भी सुरक्षित रहेंगे एवं जान-माल की भी क्षति नहीं होगी ।

मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि वर्ष 2013 में जो महानंदा बेसिन परियोजना का काम एक फेज में हुआ था, उसके दूसरे, तीसरे और चौथे फेज का काम जल्द पूरा किया जाए । मोदी जी हैं तो मुमकिन है । हमें सरकार से काफी उम्मीद है । हमारे प्रधान मंत्री जी हर क्षेत्र में विकास का काम करते हैं । जल्द से

जल्द इसमें राशि का आबंटन किया जाए और सभी नदियों का तटबंध बनाया जाए ताकि अररिया, पूर्णिया, शीतलगंज, कटिहार जैसे इलाके बाढ़ से सुरक्षित रह सकें ।